---

कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (46) खण्ड - {91}

---

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- "मीठे बच्चे.....बनने के लिए एक है याद का बल, दूसरा है सजाओं का बल,तुम्हें याद के बल से ..... बन ऊंच पद पाना है" ?

A- पावन

B- रूहानी सर्जन

C- सतोप्रधान

D- योगी

प्रश्न 2- अगर याद नहीं करेंगे तो पाप सौ गुणा बन जायेगा, क्यों ?

A- क्योंकि पाप आत्मा बन तुम मेरी निंदा कराते हो।

B- मनुष्य कहेंगे इनको ईश्वर ऐसी मत देते हैं जो आसुरी चलन दिखाते हैं!

C- लाही-चाढ़ी (उतराव-चढ़ाव) भी होता है ना। बच्चे हार भी खाते हैं।

D- अच्छे-अच्छे बच्चे भी हार खाते हैं। तो पाप कटते ही नहीं हैं।

प्रश्न 3- बाप किसलिए आये है ?

A- देवता बनाने के लिए।

B- शन्तिधाम-सुखधाम ले चलने के लिए।

C- हमारे विकर्म विनाश करने के लिए।

D- पवित्र बनाने के लिए।

प्रश्न 4- बाप को पत्थर ठिक्कर में कहने से मनुष्य का क्या हाल हो गया है ?

A- अपवित्र बन गये।

B- छी-छी बन गये।

C- सम्पूर्ण विकारी बन गये।

D- तमोप्रधान बन गये।

प्रश्न 5-पहला नम्बर दुश्मन कौन है ?

A- काम

B- देह-अभिमान

C- क्रोध

D- रावण

प्रश्न 6- बापदादा हर बच्चे की क्या देखते है ?

A- विशेषता

B- गुण

C- पुरूषार्थ

D- पावनता

प्रश्न 7- तुम बेफिक्र कब रह सकेंगे ?

A- जब कर्मातीत अवस्था हो।

B- जब योग अच्छा हो।

C- जब पावन हो।

D- जब सदा देहीभिमानी स्थिति हो।

प्रश्न 8- शिवबाबा कौन से वर्ल्ड की स्थापना कर रहें है ?

A- डायमंड वर्ल्ड

B- गोल्डन वर्ल्ड

C- सिल्वर वर्ल्ड

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 9- तुम खुदा के पैगम्बर हो, तुम्हें सारी दुनिया को कौन-सा पैगाम देना है ?

A- तुम सब अपने को आत्मा समझो।

B- देह-अभिमान छोड़ो, एक मुझ बाप को याद करो।

C- एक बाप की याद से तुम पावन बन जायेंगे।

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 10- गुरू गोविन्दसिंह की तलवार कहा चली गई ?

A- विदेश

B- इंग्लैंड

C- विलायत

D- फ्रांस

प्रश्न 11- ज्ञान सागर कब आते है ?

A- कल्प के इस पुरुषोत्तम संगमयुग पर।

B- जब पुरानी दुनिया बदलनी होती है।

C- जब सब पतित बन जाते है।

D- कलियुग के अन्त में।

प्रश्न 12- हमे क्या अभ्यास करना है ?

A- मैं आत्मा हूँ।

B- मुझ आत्मा को बाप का फरमान है कि निरन्तर मुझे याद करो।

C- एक बाप से सच्ची प्रीत रखो।

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 13- इस शरीर से जीते जी मरने के लिए क्या अभ्यास करो, कि जिससे ममत्व निकल जाये ?

A- एक बाप दूसरा न कोई

B- मैं भी आत्मा, तुम भी आत्मा

C- अब घर जाना है

D- आत्मा भाई भाई

प्रश्न 14- जितनी..... की जास्ती ताकत, उतने ज्यादा फालोअर्स ?

A- याद

B- पवित्रता

C- ज्ञान

D- धारणा

प्रश्न 15- खाते-पीते जैसे कि इस शरीर में हूँ ही नहीं। यह अवस्था पक्की करनी है। तब कितने रत्नों की माला में आ सकते हैं ?

A- 8

B- 108

C- 16108

D- 9 लाख

प्रश्न 16- अपने को शरीर से न्यारा समझना है। इसको ही कहा जाता है ?

A- अशरीरी अवस्था

B- कर्मातीत अवस्था

C- जीते जी मरना

D- देहीभिमानी अवस्था

---

भाग (46) खण्ड {91} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

---

उत्तर 1 - *A.पावन*

*“मीठे बच्चे-पावन बनने के लिए एक है याद का बल, दूसरा है सजाओं का बल, तुम्हें याद के बल से पावन बन ऊंच पद पाना है"*

उत्तर 2 - *A.क्योंकि पाप आत्मा बन तुम मेरी निंदा कराते हो*

बाप कहते हैं मामेकम् याद करो, तुम्हारे सब पाप भस्म हो जायेंगे। *अगर याद नहीं करेंगे तो पाप सौ गुणा बन जायेगा क्योंकि पाप आत्मा बन तुम मेरी निंदा कराते हो।* मनुष्य कहेंगे इनको ईश्वर ऐसी मत देते हैं जो आसुरी चलन दिखाते हैं!

उत्तर 3 -*B.शांतिधाम-सुखधाम ले चलने के लिए*

*बाप कहते हैं मैं आया हूँ तुम बच्चों को शान्तिधाम-सुखधाम ले चलने के लिए।* तुम मुझे याद करो और सृष्टि चक्र को फिराओ। कोई भी विकर्म नहीं करो। जो गुण इन देवताओं में हैं ऐसे गुण धारण करने हैं। बाबा कोई तकलीफ नहीं देते हैं।

उत्तर 4 - *C.सम्पूर्ण विकारी बन गये*

बाप ही सबसे ऊंच है। *ऐसे बाप को पत्थर ठिक्कर में कहने से मनुष्य का क्या हाल हो गया है! सीढ़ी उतरते ही आये हैं। कहाँ वह सम्पूर्ण निर्विकारी, कहाँ यह सम्पूर्ण विकारी।* इन बातों को मानेंगे भी वह जिन्होंने कल्प पहले माना होगा।

उत्तर 5- *B.देह-अभिमान*

*पहला नम्बर दुश्मन है देह-अभिमान, फिर काम, क्रोध।* देह-अभिमान में आने से ही वृत्ति खराब होती है इसलिए बाप कहते हैं - देही-अभिमानी भव।

उत्तर 6- A.विशेषता

*बापदादा हर बच्चे की विशेषता देखते हैं, चाहे सम्पूर्ण नहीं बने हैं, पुरुषार्थी हैं* लेकिन ऐसा एक भी बच्चा नहीं जिसमें कोई विशेषता न हो। सबसे पहली विशेषता तो कोटो में कोई की लिस्ट में हो। बाप को पहचानकर मेरा बाबा कहना और अधिकारी बनना ये भी बुद्धि की विशेषता है, परखने की शक्ति है। इस श्रेष्ठ शक्ति ने ही विशेष आत्मा बना दिया।

उत्तर 7- *A.जब कर्मातीत अवस्था हो*

बेफिक्र रहने के लिए सदा याद रहे कि यह ड्रामा बिल्कुल एक्यूरेट बना हुआ है। जो भी ड्रामा अनुसार चल रहा है यह बिल्कुल एक्यूरेट है। *परन्तु अभी तुम बच्चे बेफिक्र रह नहीं सकते, जब तुम्हारी कर्मातीत अवस्था हो, तब तुम बेफिक्र बनेंगे, इसके लिए योग बहुत अच्छा चाहिए।* योगी और ज्ञानी बच्चे छिप नहीं सकते।

उत्तर 8- *B.गोल्डन वर्ल्ड*

बाप कहते हैं मैं अपने बच्चों को ही पढ़ाता हूँ। जो मुझे पहचानते हैं उन्हों को ही पढ़ाकर देवता बनाता हूँ। भारत ही स्वर्ग था, अब नर्क है। जो काम को जीतेगा वही जगतजीत बनेगा। *मैं गोल्डन वर्ल्ड की स्थापना कर रहा हूँ। अनेक बार यह भारत गोल्डन एज में था, फिर आइरन एज में आया - यह कोई भी जानते नहीं।*

उत्तर 9- *D.उपरोक्त सभी*

सारी दुनिया को पैगाम दो कि खुदा ने कहा है - *तुम सब अपने को आत्मा समझो, देह-अभिमान छोड़ो, एक मुझ बाप को याद करो तो तुम्हारे सिर से पापों का बोझा उतर जायेगा।* एक बाप की याद से तुम पावन बन जायेंगे। अन्तर्मुखी बच्चे ही ऐसा पैगाम सभी को दे सकते हैं।

उत्तर 10- *C.विलायत*

तुम्हारे ज्ञान के बाण बहुत अच्छे हैं, परन्तु उसमें जौहर चाहिए। जैसे तलवार में भी जौहर होता है। *कोई बहुत तीखे जौहर वाले होते हैं। जैसे गुरू गोविन्दसिंह की तलवार विलायत चली गई।* उस तलवार को लेकर परिक्रमा देते हैं। बहुत साफ रखते हैं। कोई दो पैसे की तलवार भी होती है, जिसमें जौहर होता है, वह बहुत तीखी होती है। उनका दाम बहुत होता है।

उत्तर 11- *A.कल्प के इस पुरुषोत्तम संगमयुग पर*

बाप समझाते हैं ज्ञान सागर और ज्ञान गंगायें इस पुरुषोत्तम संगमयुग पर ही होते हैं। बस, एक ही समय पर होते हैं। *ज्ञान सागर आते ही हैं कल्प के इस पुरुषोत्तम संगमयुग पर।* ज्ञान सागर है निराकार परमपिता परमात्मा शिव। उनको शरीर जरूर चाहिए, जो बात भी कर सके।

उत्तर 12- *A.मैं आत्मा हूं*

*ज्ञान तलवार में याद का जौहर भरने के लिए कर्म करते अन्तर्मुखी बन अभ्यास करना है कि मैं आत्मा हूँ।* मुझ आत्मा को बाप का फरमान है कि निरन्तर मुझे याद करो। एक बाप से सच्ची प्रीत रखो। देह और देह के सम्बन्धियों से ममत्व निकाल दो।

उत्तर 13- *B.मैं भी आत्मा, तुम भी आत्मा*

*इस शरीर से जीते जी मरने के लिए अभ्यास करो - 'मैं भी आत्मा, तुम भी आत्मा' - इस अभ्यास से ममत्व निकल जायेगा''*

उत्तर 14- *B.पवित्रता*

सतोप्रधान आत्मा कशिश करती है, अपवित्र आत्माओं को खींचती है क्योंकि आत्मा पवित्र है। भल पुनर्जन्म में आते हैं तो भी पवित्र होने के कारण खींचते हैं। कितने उन्हों के फालोअर्स बनते हैं। *जितनी पवित्रता की जास्ती ताकत, उतने ज्यादा फालोअर्स।*

उत्तर 15- *A. 8*

यह देहधारी की याद एक-दम उड़ा देनी चाहिए क्योंकि बहुत बड़ी मंज़िल है। खाते-पीते जैसेकि इस शरीर में हूँ ही नहीं। *यह अवस्था पक्की करनी है तब 8 रत्नों की माला में आ सकते हैं।* मेहनत बिगर थोड़ेही ऊंच पद मिल सकता है

उत्तर 16- *C.जीते जी मरना*

हमको तो बाबा के साथ जाना जरूर है। अपने को शरीर से न्यारा समझना है। *इसको ही जीते जी मरना कहा

जाता है।* अपना घर ही याद रहता है। तुम जन्म-जन्मान्तर से इस शरीर में रहते आये हो इसलिए तुमको मेहनत करनी पड़ती है। जीते जी मरना पड़ता है।

---

कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (46) खण्ड - {92}

---

प्रश्न 1- किसी भी धर्म की स्थापना के लिए किसका बल चाहिए ?

A- याद

B- ज्ञान

C- पवित्रता

D- सेवा

प्रश्न 2- तुम राजयोगी बच्चों का मुख्य कर्तव्य क्या है ?

A- मुरली सुनना

B- पढना और पढ़ाना

C- अमृतवेला उठना

D- याद करना

प्रश्न 3- नम्बरवन में आना है तो सिर्फ क्या करना है ?

A- ब्रह्मा बाप के कदम पर कदम रखते चलो

B- अपने भाग्य का सिमरण करते रहो

C- स्मृति स्वरूप बनो

D- नष्टोमोहा बनो

प्रश्न 4- बाप बड़े ते बड़ी पढ़ाई दो अक्षर में क्या पढ़ाते हैं ?

A- अल्फ और बे

B- आत्मा और परमात्मा

C- याद और पढ़ाई

D- शमा और परवाना

प्रश्न 5- कहाँ जाने के लिए मनुष्य कितना माथा मारते हैं ?

A- शान्ति-धाम में

B- स्वर्ग में

C- रामराज्य में

D- सुखधाम में

प्रश्न 6- बाप भी कहते हैं मैं जानी जाननहार हूँ अर्थात्-

A- मन की बात जानते हैं।

B- सब आत्माओं को जानते हैं।

C- सृष्टि के आदि -मध्य-अन्त को जानता हूँ।

D- ड्रामा के गुह्य राज को

प्रश्न 7- सुख की प्रालब्ध कब पूरी हो जाती है ?

A- सतयुग त्रेता में

B- कलियुग में

C- द्वापर युग में

D- संगमयुग में

प्रश्न 8- श्रीकृष्ण के बारे में कौन सा कथन सही है ?

A- श्रीकृष्ण का जन्म दिव्य अलौकिक है।

B- त्वमेव माता च पिता कहेंगे

C- जन्म पवित्रता से होता है।

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 9-अभी तो अनेकानेक भाषायें हैं क्योंकि

A- अभी एक मत नहीं है इसलिए।

B- जैसा-जैसा राजा वैसी-वैसी उनकी भाषा चलती है।

C- जैसा देश वैसी भाषा।

D- कोस कोस पर पानी बदले चार कोस पर बानी।

प्रश्न 10- 5 भूतों की तो प्रवेशता किसमें होती है ?

A- रावण में

B- आत्मा में

C- शरीर में

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 11- सर्वव्यापी इनमें से कौन है ?

A- ईश्वर

B- आत्मायें

C- 5 विकार

D- B और C

प्रश्न 12- साधू-सन्त आदि कोई से पूछे -परमात्मा से योग कैसे लगावें, उनसे कैसे मिलें। तो वह कह देंगे -

A- नेती नेती

B- वह तो सर्वव्यापी है।

C- भक्ति करो

D- ध्यान करो

प्रश्न 13- मनुष्य की चलन कैसे सुधरती है ?

A- ज्ञानधन से

B- पवित्रता से

C- सुख से

D- योग से

प्रश्न 14- बाप अपने बच्चों पर कौन-सी मेहर (कृपा) करते हैं ?

A- बाप बच्चों के कल्याण के लिए डायरेक्शन देते हैं।

B- सतोप्रधान बनाते हैं।

C- 21 जन्मों का वर्सा देते है।

D- मुक्ति जीवन-मुक्ति का वर्सा देते हैं।

प्रश्न 15- बहुतों में कौन सा का भूत बैठा हुआ है ?

A- क्रोध का

B- काम का

C- देह-अहंकार का

D- मोह का

प्रश्न 16- धन्धा-धोरी में ऐसा बिजी नहीं होना है ?

A- जो डिससर्विस हो।

B- देह-अभिमान आ जाये।

C- याद की यात्रा वा पढ़ाई के लिए टाइम ही न मिले।

D- माया के चम्बे में आ जाये।

---

भाग (46) खण्ड {92} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

---

उत्तर 1- *C.पवित्रता*

*किसी भी धर्म की स्थापना के लिए पवित्रता का बल चाहिए।* सभी धर्म पवित्रता के बल से स्थापन हुए। लेकिन कोई भी धर्म स्थापक किसी को पावन नहीं बनाते क्योंकि जब धर्म स्थापन होते हैं तब माया का राज्य है, सबको पतित बनना ही है। पतितों को पावन बनाना - यह बाप का ही काम है। वही पावन बनने की श्रीमत देते हैं।

उत्तर 2- *B.पढ़ना और पढ़ाना*

*पढ़ना और पढ़ाना, यही तुम्हारा मुख्य कर्तव्य है।* तुम हो ईश्वरीय मत पर। तुम्हें कोई जंगल में नहीं जाना है। घर गृहस्थ में रहते शान्ति में बैठ बाप को याद करना है। अल्फ और बे, इन्हीं दो शब्दों में तुम्हारी सारी पढ़ाई आ जाती है।

उत्तर 3- *A.ब्रह्मा बाप के कदम पर कदम रखते चलो*

*नम्बरवन में आना है तो सिर्फ ब्रह्मा बाप के कदम पर कदम रखते चलो।*

उत्तर 4- *A.अल्फ और बे*

*बाप बड़े ते बड़ी पढ़ाई दो अक्षर में पढ़ाते हैं - अल्फ और बे।* अल्फ को याद करो तो बे-बादशाही तुम्हारी है। यह बड़ा भारी इम्तहान है। मनुष्य बड़ा इम्तहान पास करते हैं तो पहले वाली पढ़ाई कोई याद थोड़ेही रहती है। पढ़ते-पढ़ते आखरीन तन्त (सार) बुद्धि में आ जाता है। यह भी ऐसे है। तुम पढ़ते आये हो।

उत्तर 5- *A.शान्ति-धाम में*

*सतयुग में भी तुम्हारी आत्मा पावन थी, शान्ति-धाम में भी पावन आत्मा रहती है।* वह तो है हमारा घर। कितना स्वीट घर है। जहाँ जाने के लिए मनुष्य कितना माथा मारते हैं। बाप समझाते हैं अभी सबको जाना है फिर पार्ट बजाने के लिए आना है। यह तो बच्चों ने समझा है।

उत्तर 6- *C.सृष्टि के आदि- मध्य-अन्त को जानता हूं*

बाप को बुलाते भी नर्क में हैं। सतयुग में तो अथाह सुख हैं, तो कोई बुलाते ही नहीं। यहाँ तुम शरीर में हो तब बात करते हो। बाप भी कहते हैं *मैं जानी जाननहार हूँ अर्थात् सृष्टि के आदि-मध्य-अन्त को जानता हूँ।* परन्तु सुनाऊं कैसे! विचार की बात है ना इसलिए लिखा हुआ है - बाप रथ लेते हैं।

उत्तर 7- *A.सतयुग त्रेता में*

यह भी जानते हो यह बाप, टीचर, सतगुरू कल्प-कल्प आते हैं फिर यही पढ़ाई पढ़ाते हैं सतयुग-त्रेता के लिए। फिर प्राय:लोप हो जाता है। *सुख की प्रालब्ध पूरी हो जाती है ड्रामा अनुसार।* यह बेहद का बाप बैठ समझाते हैं, उनको ही पतित-पावन कहा जाता है।

उत्तर 8- *C.जन्म पवित्रता से होता है*

अब बाप कहते हैं मुझे पहचानने से तुम सेकण्ड में जीवनमुक्ति पा सकते हो। अब श्रीकृष्ण भगवान् अगर होता तो कोई भी झट पहचान ले। *श्रीकृष्ण का जन्म कोई दिव्य अलौकिक नहीं गाया हुआ है। सिर्फ पवित्रता से होता है।* बाप तो कोई के गर्भ से नहीं निकलते हैं।

उत्तर 9- *B.जैसा-जैसा राजा वैसी-वैसी उनकी भाषा चलती है*

सतयुग में जब तुम चलेंगे तो वहाँ अंग्रेजी आदि दूसरी कोई भाषा तो होगी नहीं। तुम जानते हो सतयुग में हमारा राज्य होता है, उसमें हमारी जो भाषा होगी वही चलेगी। फिर बाद में वह भाषा बदलती जाती है। अभी तो अनेकानेक भाषायें हैं। *जैसा-जैसा राजा वैसी-वैसी उनकी भाषा चलती है।*

उत्तर 10- *B.आत्मा में*

अपने को आत्मा समझना है और एक बाप को याद करना है ताकि भूत सब भाग जाएं। बाप है पतित-पावन। *5

भूतों की तो सबमें प्रवेशता है। आत्मा में ही भूतों की प्रवेशता होती है* फिर इन भूतों अथवा विकारों का नाम भी लगाया जाता है देह-अभिमान, काम, क्रोध आदि।

उत्तर 11- *D. B और C*

ऐसे नहीं कि सर्वव्यापी कोई ईश्वर है। कभी भी कोई कहे कि ईश्वर सर्वव्यापी है *तो कहो सर्वव्यापी आत्मायें हैं और इन आत्माओं में 5 विकार सर्वव्यापी हैं।* बाकी ऐसे नहीं कि परमात्मा सर्व में विराजमान है। परमात्मा में फिर 5 भूतों की प्रवेशता कैसे होगी! एक-एक बात को अच्छी रीति धारण करने से तुम पद्मापद्म भाग्यशाली बनते हो।

उत्तर 12- *B.वह तो सर्वव्यापी है*

*साधू-सन्त आदि सब पुकारते हैं - हे पतित -पावन..... अर्थ कुछ नहीं समझते, ऐसे ही गाते रहते हैं, ताली बजाते रहते हैं। उनसे कोई पूछे- परमात्मा से योग कैसे लगावें, उनसे कैसे मिलें तो कह देंगे वह तो सर्वव्यापी है।*

क्या यही रास्ता बताते हैं! कह देते वेद-शास्त्र पढ़ने से भगवान मिलेगा।

उत्तर 13- *B.पवित्रता से*

मुख्य है पवित्रता की बात। पवित्रता के सिवाए पीस और प्रासपर्टी मिल नहीं सकती। इसमें चलन बहुत अच्छी चाहिए। *मनुष्य की चलन सुधरती है पवित्रता से।* पवित्र हैं तो उनको देवता कहा जाता है। तुम यहाँ आये हो देवता बनने के लिए। देवतायें सदा सुखी थे। मनुष्य कोई सदा सुखी हो न सके। सुख होता ही है देवताओं को।

उत्तर 14- *A.बाप बच्चों के कल्याण के लिए डायरेक्शन देते हैं*

*बाप बच्चों के कल्याण के लिए जो डायरेक्शन देते हैं, यह डायरेक्शन देना ही उनकी मेहर (कृपा) है।* बाप का पहला डायरेक्शन है - मीठे बच्चे, देही-अभिमानी बनो। देही-अभिमानी बहुत शान्त रहते हैं उनके ख्यालात कभी उल्टे नहीं चल सकते।

उत्तर 15- *C.देह-अहंकार का*

कई बच्चे अपने देह के अहंकार में बहुत रहते हैं। बाप कितना निरहंकारी रहते हैं। कहते हैं मैं भी तुम बच्चों को नमस्ते करने वाला सर्वेन्ट हूँ। वह तो अपने को बहुत ऊंच समझते हैं। यह देह-अहंकार सब तोड़ना है। *बहुतों में देह-अहंकार का भूत बैठा हुआ है।* बाप कहते हैं अपने को आत्मा समझ बाप को याद करते रहो।

उत्तर 16- *C.याद की यात्रा वा पढ़ाई के लिए टाईम ही ना मिले*

पढ़ाई के लिए टाइम निकालना चाहिए। स्वीट बाप और स्वर्ग को याद करो। जितना याद करेंगे तो अन्त मती सो गति हो जायेगी। *धन्धे-धोरी में ऐसा बिजी नहीं होना है जो याद की यात्रा वा पढ़ाई के लिए टाइम ही न मिले।* देह-अभिमान बहुत खोटा और खराब है, इसे छोड़ देही-अभिमानी रहने की मेहनत करनी है।